Implementation of Urjagram Projects

*265. SHRI SANTOSH KUMAR SAHU: Will the Minister of POWER AND NON-CONVENTIONAL ENERGY SOURCES be pleased to state:

(a) whether Government are implementing Urjagram projects;

(b) if so, what are the names of such projects completed or under completion in the current year in the country;

(c) what are the details in respect of Orissa, districtwise number of such projects along with the agencies through whom the same is being implemented; and

(d) what are the names of places in Orissa where R&D projects have so far been taken up or are proposed to be taken-up?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF POWER AND NON-CONVENTIONAL ENERGY SOURCES (SHRI KALP NATH RAI): (a) to (d) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

Implementation of Urjagram Projects

(a) and (b) Yes, Sir. The State-wise break-up of Urjagram Projects completed and under implementation is given in the statement-I (*See below*)

(c) 14 Urjagram projects have been taken up in 8 districts of Orissa by the State nodal Agency, namely, Orissa Renewable Energy Development Agency (OREDA). The names of the villages and districts are given in the statement-II (*See below*) Taking into consideration local factors, appropriate non-conventional energy systems & devices such as improved chulhas; biogas plants; energy plantations; solar water heaters and stills; solar photovoltaic lights, pumps and televisions; and wind pumps have been installed in these projects.

(d) A research Urjagram Project has been taken up at village Ramchandi-Khalkatapatna in Puri district.

Statement-I

State-wise Break up of urjagram projects (As on **30-11-91**)

S. No.	State/Union Territories	Completed	Under Implementation
1	Andhra Pradesh	4	17
2	Arunachal Pradesh	..	1
3	Assam	..	3
4	Bihar	6	6
5	Gujarat	13	20
6	Haryana	..	3
7	Himachal Pradesh	..	1
8	Jammu & Kashmir	1	..
9	Karnataka	1	6
10	Kerala	..	1

S. No.	State/Union Territories	Completed	Under Implementation
11	Madhya Pradesh	19	12
12	Maharashtra	46	35
13	Orissa	7	7
14	Punjab	..	4
15	Rajasthan	1	22
16	Tamil Nadu	4	51
17	Tripura	2	..
18	Uttar Pradesh	47	26
19	West Bengal	..	11
	TOTAL	153	226

Statement-II

Urjagram projects in Orissa

S.No.	Name of the Village	District
1	Banigochha	Puri
2	Ramchandi-Khalkatapatna	Puri
3	Laimura	Sambalpur
4	Urladani	Kalahandi
5	Belamunda	Sundergarh
6	Baanda	Cuttack
7	Gudgudia	Mayurbhanj
8	Tundapalli	Koraput
9	Seriguda	Koraput
10	Bonia	Dhenkanal
11	Sorsiapada	Dhenkanal
12	Kolha	Dhenkanal
13	Jonhitola	Dhenkanal
14	Khaliborei-Bimborei	Dhenkanal

SHRI SANTOSH KUMAR SAHU: Mr. Chairman, Sir, energy supply to the villages by harnessing the renewable sources of energy under the Urjagram programme is a very ideal measure. May I know from the Minister what type of methodology has been adopted to identify the villages where this urja programme will be developed and implemented? May I also know from the Minister whether any cost-effective study has been made to study the benefit of the Urjagram projects which have been completed, in respect of rural regeneration of power, income and the Rural Employment Programme?

श्री कल्पनाथ राय : आदरणीय चेयरमैन साहब, श्री वसंत साठे, ऊर्जा राज्य मंत्री ने सन् 1986 में घोषणा की थी कि पार्लियामेंट के संसद सदस्यों के क्षेत्रों में ऊर्जा ग्राम की स्थापना की जाएगी जिसमें कि रिन्यूवेबल सोर्स आफ एनर्जी के माध्यम से गांव के लोगों की समस्याओं को हल करने में मदद दी जायेगी जिन संसद सदस्यों ने इस संबंध में एप्लीकेशन दिया, उनके गांवों में इस योजना पर काम शुरु किया गया था। अब तक हिन्दुस्तान में 153 गांवों में इस योजना पर काम पूरा किया जा चुका है, 226 गांवों में काम हो रहा है और एक गांव में 10 लाख रुपए के करीब योजना पर व्यय होता है उड़ीसा। के 14 गांवों में "ओरेडा" के माध्यम से योजना का काम हो रहा है और काफी सफलता इसमें हासिल की जा चुकी है.।

SHRI SANTOSH KUMAR SAHU: Sir, only a part of my question has been answered. This Urjagram project was started in the Seventh Five-Year Plan. Has this Ministry made any projection for implementing these things? I am eager to know this because these renewable resources are abundant in India and it will greatly help our country's growth, if we utilise them. How much has been thought to be included in the Eighth Five-Year Plan for this? What is the projection the Department have recommended to the Planning Commission? And what are the new projects to be taken up in Orissa which have come before the Government? Will the hon. Minister answer these questions?

श्री कल्पनाथ राय : सभापति महोदय सरकार 8वीं पंचवर्षीय योजना में गैर परम्परागत ऊर्जा स्त्रोतों को प्राथमिकता देने के ऊपर विचार कर रही है। प्रधान मंत्री श्री नरसिंह राव जी ने भी ऐसा ही कहा है कि अगली 8वों पंचवर्षीय योजना में गैर परम्परागत ऊर्जा स्त्रोतों को प्राथमिकता दी जाएगी ताकि हिन्दुस्तान के दूर-दराज के इलाकों में बसे हुए गांवों की ऊर्जा समस्या को हल किया जा सके आज गांवों में इंधन का संकट है, गांवों में जलाने के लिए लकड़ी उपलब्ध नहीं है, गांवों में स्ट्रीट लाइट या पानी की व्यवस्था नहीं है। इन सारी चीजों को हल करने के लिए सरकार गैर परम्परागत ऊर्जा स्त्रोतों को 8वीं पंचवर्षीय योजना में बढ़ावा देगी ।

डा० रत्नाकर पाण्डेय : माननीय सभापति जी, मंत्री महोदय ने अपने उत्तर में बताया कि स्थानीय बातों को ध्यान में रखते हुए इन परियोजनाओं में उन्नत चूल्हा, बायोगैस संयंत्र, ऊर्जा पौधारोपण, सौर जल तापक और झंझके सौर प्रकाशवोल्टीय बत्तियां, पम्प और टेलीविजन और पवन पम्प जैसी उपयुक्त, अपारंपरिक ऊर्जा प्रणालियां और युक्तियां स्थापित की गई है, मैं जानना चाहता हूं कि इसका प्रचार करने के लिए, जनता के बीच में इसका उपयोग हो इसके लिए आपके मंत्रालय ने क्या किया है और कितनी मांग है इसकी, जो कुछ आपने आइटम-वाइज बताया है ? अब तक जो सूची आपने दी है, उत्तर प्रदेश में 47 योजनाएं पूरी की गई हैं और 26 अभी. . .

श्री सभापति : आप सवाल कीजिए।

डा० रत्नाकर पाण्डेय : मैं यह जानना चाहता हूं कि कितनी मांग है इस ऊर्जा

ग्राम परियोजना की देश में और क्या टाइम बाउंड प्रोग्राम बनाकर, देश की जनता को इसे इन्ट्रोड्यूज़ कराने के लिए, आपने क्या प्रचार किया है और योजनाएं टाइम बाउंड प्रोग्राम के तहत कब तक आप पूरी कर रहे हैं और उत्तर प्रदेश के किन-किन जिलों को कितना आपने अलाट किया है, यह मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं ?

श्री कल्पनाथ राय : आदरणीय सभापति महोदय, किसी भी योजना को युद्ध स्तर पर लागू करने के लिए काफी पैसे की आवश्यकता होती है । जितना पैसा है उसके अनुकूल हम भी योजना को प्राथमिकता देने की कोशिश कर रहे हैं और जो पहाड़ी इलाके है या जो रेगिस्तानी इलाके हैं, जहां ट्रांसमीशन लाइनों को नहीं बिछाया जा सकता या दूर-दराज के इलाके है, उन इलाकों में ऊर्जा ग्रामों को स्थापित करने की दिशा में सरकार प्रयत्न कर रही है । आप जानते हैं कि राजस्थान के मरुस्थली इलाकों में जहां कि ट्रांसमीशन लाईन को एक गांव से दूसरे गांव ले जाने में बहुत ज्यादा पैसा खर्च होता है या पहाड़ी इलाकों में जहां ट्रांसमीशन लाईन का बिछाना बड़ा कठिन काम है । उन इलाकों में इस ऊर्जा ग्राम को प्राथमिकता दी जा रही है । वे योगेस... (**व्यवधान**)

श्री सभापति : आप उसका प्रचार कितना कर रहे है.... (**व्यवधान**)

डा० रत्नाकर पाण्डेय : कितने रुपये की प्लानिंग कमीशन से व्यवस्था करायी जाये, ताकि राजीव गांधी जी द्वारा की गयी घोषणा को पूरा कर सकें ।

श्री सभापति : मैंने शॉर्ट में बता दिया है । शॉर्ट में आप जवाब दें ।

श्री कल्पनाथ राय : आदरणीय सभापति महोदय, मैं माननीय संसद सदस्य को बतलाना चाहता हूं कि इस योजना को प्रदेश के स्तर पर प्रचारित और प्रसारित किया जा रहा है और सभी जिला अधिकारियों को और जिला पंचायतों को इस संबंध में लिखा-पढ़ा जा रहा है कि ऊर्जाग्रामों को, ग्राम की योजना को स्वीकृत करें, ताकि गांव के एनर्जी डिमांड को पूरा करने में सहायता मिल सके ।

श्री सभापति : वह कितना रुपया रखा गया है ? और कितना रुपया मिला हैं आपको ?

डा० रत्नाकर पाण्डेय : कितना रुपया आपको चाहिये ? प्लानिंग कमीशन को आपने क्या योजना भेजी है ? कितना रुपया मिलने की सम्भावना है ?

श्री कल्पनाथ राय : सभापति महोदय, सातवीं पंचवर्षीय योजना और छटी पंचवर्षीय योजना में जो रुपया इस मद में दिया गया था, प्रधान मंत्री जी ने कहा है कि आठवीं पंचवर्षीय योजना में... (**व्यवधान**)

श्रीमती कमला सिन्हा : कितना दिया था?

श्री कल्पनाथ राय : आठवीं पंचवर्षीय योजना अभी फाईनल नहीं हुई है, वह विचाराधीन है । अभी नेशनल डेवलपमेंट कौंसिल की बैठक होने जा रही है... (**व्यवधान**)

श्री सभापति : आठवीं पंचवर्षीय योजना मंजूर हो जायेगी, तब बता देंगे ।

श्री राम अवधेश सिंह : मंत्रालय की ओर से कोई योजना भेजी गयी है या नहीं भेजी गयी है ? मंत्रालय की ओर से कोई सुझाव दिया गया है या नहीं ?

श्री सभापति : आप बैठिये ।

SHRI P. UPENDRA: Sir, this is a very good programme but very badly managed. I would like to know from the hon. Minister what is the total expenditure on each of these Urjagram projects. What are the components in this because the Central Government has to give a portion of the expenditure the State Government has to give something and the beneficiaries have to give something? What is the apportionment of expenditure by these three agencies? The hon. Minister also stated that the Members of Parliament were asked to adopt one village each for this project. I am speaking from personal experience. I adopted my own native village about four or five years ago. Rs. 34 lakhs were supposed to be spent on various programmes and nothing has been done. No programme has been completed except providing some smokeless *chulhas*. I would like to know from the hon. Minister if the total number of projects completed and executed is roughly about less than 400, then what happened to all the village adopted by the 800 MPs? Are they being executed or shelved?

श्री कल्पनाथ राय: सभापति महोदय, माननीय सदस्य ने जो सवाल पूछा है, केन्द्र सरकार और राज्य सरकारों दोनों सब्सडी देती हैं और जो वह बेनिफिसरी होता है उसको भी कुछ लागत अपनी तरफ से देनी पड़ती है। जो गांव एडोप्ट किये जाते हैं, उन हर गांव पर 10 लाख रुपया खर्च होता है। तो यह योजना नयी है और इस योजना को गांव-गांव में प्रसारित करने के लिये गांव की एनर्जी डिमांड्स को पूरा करने के लिये सरकार अपनी तरफ से पूरा प्रयत्न कर रही है। आप सभी साथियों के सहयोग से इसमें हम सफलता प्राप्त कर सकते हैं... (व्यवधान)

SHRI P. UPENDRA: Sir, it is a general appeal. He has not answered my question.

श्री सभापति : उनका सवाल अपने गांव के बारे में है।

SHRI P. UPENDRA: My question was, what is the total expenditure on each project and what is the component of the Central assistance and the State assistance? He has not mentioned the component. He said, the State Government has to give something and the Central Government has to give something. What is the total cost of each project?

श्री कल्पनाथ राय: सभापति महोदय, हर गांव पर 10 लाख रुपया खर्च होता है। एक पूर्ण ऊर्जाग्राम विकसित करने के लिये दस लाख रुपया.... (व्यवधान)

SHRI P. UPENDRA: It is supposed to be Rs. 34 lakhs.

श्री कल्पनाथ राय : सभापति महोदय, अपने गांव के संबंध में... (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: You have to go by what the Minister says.

SHRI P. UPENDRA: I have got the papers with me for my own village. They were supposed to spend Rs. 34 lakhs.

श्री कल्पनाथ राय : मैं इनको उत्तर दे दूंगा। ऐवरेज दस लाख रुपया हर गांव पर खर्च होता है।

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया : सभापति महोदय, मंत्री महोदय ने पिछले दिनों मद्रास में ऊर्जा मेले में कहा है कि नॉन-कंवेंशनल सोर्स आफ एनर्जी बहुत अच्छी तरह से काम कर रही है। पर अफसोस इस बात का है महोदय कि इन्होंने अभी तक जो हिसाब दिया है उसमें 153 गांवों को ऊर्जा ग्राम में परिणत किया गया है और 226 गांवों में यह काम चल रहा है। हमारे मुल्क में 5 लाख 76 हजार गांव हैं। मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से पूछना चाहूंगा कि कब तक ये भारतवर्ष के हर जिले के कम से कम एक गांव को

ऊर्जा ग्राम में परिणत कर सकेंगे और खास करके अनुसूचित जाति और पिछड़ी जाति के जो गांव हैं और जनजाति के जो गांव हैं, उनको इस प्रोग्राम में लेंगे या नहीं लेंगे और इसको क्या कमेटी बनाई है जो कि विश्लेषण करके यह बताती है कि यह ग्राम ऊर्जा ग्राम के प्रोग्राम में लिया जाएगा? यह कौन सी कमेटी है? उसमें कौन-कौन से मेंबर हैं और उसकी गाइडलाइन क्या है, यह बताने की कृपा करें।

श्री कल्पनाथ राय : सभापति महोदय, जिन प्रदेशों ने इस योजना को अपने यहां प्राथमिकता दी है, उसमें उन्होंने काफी सफलता प्राप्त की है। गुजरात में इस योजना को काफी सफलता मिली है।

श्री सभापति : उनका प्रश्न है कि हर जिले में एक-एक गांव आप कब तक ले पाएंगे?

श्री कल्पनाथ राय : सर, हर जिले के लिए यह योजना नहीं बनी है बल्कि जो दूर-दराज के इलाके हैं, जहां कि बिजली नहीं पहुंचाई जा सकती है, उन इलाकों को पहले प्राथमिकता दी जाएगी ...(व्यवधान) यह ऊर्जा ग्राम की योजना जो लोग लेंगे, इसको अपने ऊपर, धीरे-धीरे इसको पापुलराइज किया जाएगा।

एक माननीय सदस्य : संख्या तो बता दीजिए।

श्री कल्पनाथ राय : सभापति महोदय, सातवीं पंचवर्षीय योजना में अपारम्परिक ऊर्जा पर 580 करोड़ रुपया खर्च किया गया है और आठवीं पंचवर्षीय योजना में इस योजना को पापुलर बनाने के लिए जो दूर-दराज के पहाड़ी इलाके के या रेगिस्तानी इलाके के गांव हैं, उनको प्राथमिकता दी जा गी।

(*Interruptions*)

DR. RATNAKAR PANDEY: What are the guidelines? What is the constitution of the Committee? What are the names of its members?

SHRI SARADA MOHANTY: Sir, I want to know from the Government how many Urjagram projects have been established in the SC/ST villages in different parts of the country in the year of Baba Saheb Dr. B. R. Ambedkar's centenary celebrations.

श्री कल्पनाथ राय : सभापति महोदय, 19 प्रांतों में जहां इस योजना पर काम हो रहा है, 153 गांवों में ऊर्जा ग्राम स्थापित हो चुके हैं....(व्यवधान)

श्रीमती कमला सिन्हा : इन्होंने यह प्रश्न पूछा कि अम्बेडकर जयंती के वर्ष में जितने एस.सी०, एस०टी गांव हैं, क्या आप वहां इसको लागू करेंगे... (व्यवधान)

श्री कल्पनाथ राय: आप फिर से पूछिए।

SHRI SARADA MOHANTY: How many Urjagram projects have been established in the SC/ST villages in different parts of the country in the year of Baba Saheb Dr. B. R. Ambedkar's centenary celebrations?

श्री कल्पनाथ राय : सभापति महोदय जो भी योजना प्रारंभ की जाती है, उन योजनाओं में शैड्यूल कास्ट, शैड्यूल ट्राइब के गांवों को प्राथमिकता दी जाती है ....(व्यवधान) अम्बेडकर जी के जन्मदिवस के अवसर पर 20 गांवों में ऊर्जा ग्राम बनाने की कोशिश की जा रही है।

(*Interruptions*)

SHRI MISA R. GANESAN: Sir, it is a very, very simple question.

SHRI RAJ MOHAN GANDHI: Sir, he is asking for information...

SHRI SARADA MOHANTY: Sir, I want information regarding the SC/ST villages.

श्री जगदीश जानी : सभापति महोदय, मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि उड़ीसा में फुलबनी जिला एक आदिवासी, हरिजन, पिछड़ा हुआ और पहाड़ी अंचल है। इस अंचल में बिजली की बहुत कमी है। इसलिए मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि ऊर्जा ग्राम योजना को लागू करने के लिए सरकार इस जिले पर सोच रही है, विचार कर रही है क्या?

श्री सभापति : वह कह रहे हैं फुलबनी जिले में आपने कोई गांव नहीं लिया है। क्या आप फुलबनी जिले में कोई गांव लेंगे ?

श्री कल्पनाथ राय : सभापति महोदय, उड़ीसा के 8 जिलों में ऊर्जा ग्राम योजना का काम हो रहा है.... (**व्यवधान**)

श्री सभापति : 14 जिले नहीं हैं, 14 जगह हो रहा है... (**व्यवधान**)

श्री कल्पनाथ राय : जिस जिले के संबंध में माननीय सदस्य ने कहा है उस जिले पर विचार किया जाएगा और अगली बार उस जिले को ले लिया जाएगा

श्री सभापति : अगले साल आपके जिले में हो जाएगा।
(*Interruptions*)

DR. R. K. PODDAR: Mr. Chairman, Sir, I would like to know from the Minister how many foreign governments are collaborating with us in the Urjagram projects and what the amount is each of them is sending to us as loan or aid and what steps the Indian Government is going to take to reduce our dependence on foreign collaboration on these projects. The second part of my question is, as you know, Sir, from the question and answer, the conventional energy is not being administered properly. This does not reflect on the efficiency of my friend, Kalp Nath Raiji. Why doesn't the Indian Government think of separating non-conventional energy department from the conventional energy?

श्री कल्पनाथ राय : सभापति महोदय गैर-परंपरागत ऊर्जा स्रोतों के माध्यम से गांवों की जनता की समस्याओं का हल करने की दिशा में प्रयास हो रहा है बायो गैस ... (**व्यवधान**)

SHRIMATI KAMLA SINHA: There is a communication gap between the Minister and the Member. (*Interruptions*)

श्री कल्पनाथ राय : सभापति महोदय माननीय सदस्य ने सवाल पूछा है भारत की सरकार गैर-परंपरागत ऊर्जा स्रोतों को प्राथमिकता दे रही है और गांवों की समस्याओं को हल करने के लिए क्या कर रही है... (**व्यवधान**)

SHRI P. UPENDRA: This is not what he is asking.

SHRI MENTAY PADMANABHAM: Mr. Chairman, Sir, the Minister is under tremendous tension because he came a little bit late and apologised to the House. So kindly excuse him for this state.

श्री सभापति : उनके सवाल का जवाब दे दीजिए कि परंपरागत साधन जो हैं और जो गैर-परंपरागत हैं उन दोनों के विभागों को क्या आप अलग-अलग करेंगे ?

AN HON. MEMBER: The Minister is totally confused.

SHRI MENTAY PADMANBHAM: Why do we waste the time of the House? Let the Minister be given a chance to answer this question at a later date. Pass it on. (*Interruptions*)...

SHRI KALP NATH RAI: No, no. (*Interruptions*)...

मैं उत्तर दे रहा हूं।

डा० रत्नाकर पाण्डेय : जब मंत्री महोदय तैयार होकर आएं, तब इस प्रश्न को उठाया जाए, सभापति जी।

श्री कल्पनाथ राय : सभापति महोदय, मैंने आपसे यह कहा है कि ऊर्जा और गैर-परंपरागत ऊर्जा स्रोतों में जो स्रोत गांवों में उपलब्ध हैं और जिन स्रोतों को आधुनिक माध्यम से हम उपलब्ध नहीं करा सकते, उनके माध्यम से गांवों की जनता की समस्या को हल करने के लिए, जो उनकी समस्या है कुकिंग गैस की... (**व्यवधान**) अगर आप सुनेंगे नहीं तो क्या हल करेंगे... (**व्यवधान**) जो जनता की समस्या है कुकिंग गैस की, खाना पकाने के लिए... (**व्यवधान**)

श्री सभापति : उनका प्रश्न यह है कि आपके विभाग में क्या आप परंपरागत और अपरंपरागत को अलग-अलग देखने का इंतजाम करेंगे बस?

श्री कल्पनाथ राय : सभापति महोदय, दोनों परंपरागत और गैर-परंपरागत माध्यम से देश की जनता की सेवा की कोशिश सरकार कर रही है।

AN. HON. MEMBER: This is not the question.

डा० बापू कालिदास : देश की सेवा में हम लोग तंग आ गए हैं।

AN HON. MEMBER: There should be a Half-an-hour Discussion on this.

श्री सभापति : उनका पूछना है आपके डिपार्टमेंट में आप अलग-अलग लोगों को अलग-अलग जिम्मेदारी देंगे क्या?

एक माननीय सदस्य : इस पर आप आधे घंटे का डिस्कशन करवा दीजिए।

श्री सभापति : आप समय मांग लीजिए।

श्री राम अवधेश सिंह : मंत्री जी आज बिना तैयारी करके आए हुए हैं इसलिए आज जवाब नहीं दे रहे हैं। इनको समय दे दिया जाए।

Conditions for Grant of Loans by Financial Institutions

*266. SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether the Financial Institutions like LIC, GIC and National Housing Bank etc. make available housing loans to individual borrowers who happen to be members of a Group Housing Society in Delhi;

(b) whether a member of the Group Housing Society, having already availed of the first loan facility from his employer, can also get the second loan to cover his deficit for completing his house/flat, especially when he is unable to mortgage that very property second time to the LIC, GIC and NHB etc.; and

(c) if the reply to part (b) above be in the negative, in what manner such needy persons can get second loan from LIC, GIC, NHB etc. to cover his deficit in order to complete the house without arranging for second mortgage of his property, in case he is a person serving in the Government /Public Sector Undertakings?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI DALBIR SINGH): (a) LIC grants such loans.

(b) Generally, loans are granted to individual borrowers only against first charge on the property/flat to be acquired from the borrowed funds.

(c) LIC can grant loans to Central Government servants against second charge, for meeting the balance cost of the house/flat, provided original documents of title are lodged.